CHINTAN
ENVIRONMENTAL RESEARCH AND ACTION GROUP

आपके कचरे की कहानी

किशन कुंज और उस्मानपुर (ब्रह्मपुरी) के निवासियों के लिए त्रैमासिक समाचार पत्र
जून, 2013

चिंतन के संचालक की टिप्पणी

अधिक संख्या में निवासी अब इस प्रोजेक्ट का हिस्सा हैं और हम उन सभी निवासियों को धन्यवाद देना चाहेंगे, जिन्होंने हमारी मदद की है। जैसा कि आप जानते हैं, चिंतन, इस कार्य के लिए नगर निगम से एक रुपया भी नहीं लेता है, यदि आप हमारी मदद करें और इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने तो हम वचन देते हैं कि आपको अच्छी व्यवस्था दे सकते हैं। किसी भी समय आप हमारे हेल्पलाइनः 011–41014171 पर शिकायत या सलाह के लिए कॉल कर सकते हैं। यदि आप हमारे हेल्पलाइन पर कॉल नहीं करते हैं, तो हम आपकी समस्याओं को नहीं जान पाएँगे और उन्हें हल नहीं कर पाएँगें। आप कार्य को मॉनिटर करके भी हमारी मदद कर सकते हैं – कैसे करें, ये जानने के लिए हमारे हेल्पलाइन पर कॉल करें।

उस्मानपुर और कृष्ण कुंज में इ० डी० एम० सी के आयुक्त श्री सज्जन सिंह यादव, वार्ड के निगम पार्षद श्री महक सिंह एवं श्री बी.बी. त्यागी और चिंतन की संचालक निदेशक, सुश्री भारती चतुर्वेदी के द्वारा उद्घाटन

कुछ निवासी सोचते हैं कि कूड़े को कूड़ा उठाने वाले को देने के बजाय उसे नाले में फेंक देना अच्छा है। लेकिन यदि कूड़ा नाली में पहुँचता है, तो बरसात के मौसम में हर एक के घर के सामने सीवेज से पानी बहेगा। कृपया दिल्ली के निवासी होने के नाते अपना योगदान दें, और चिंतन के साथ जुड़े।

इन दिनों, हम आपके वार्ड में कार्य करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं क्योंकि यहाँ इन दिनों काफी गर्मी है, और कूड़ा उठाने वाले थक जाते हैं। अक्सर उनके अपने घर में पंखा या पीने को ठंडा पानी भी नहीं होता है। इसके अलावा, वे सोचते हैं कि उनकी वर्दी सूती, और पहनने के लिए बहुत मोटी है। कृपया हमारा साथ दें, हम उनकी वर्दी के लिए विकल्प की खोज कर रहे हैं। लेकिन ये तो केवल छोटी सी समस्याएं हैं। आपके सहयोग से, हर कोई खुशहाल और साफ–सुथरा जीवन जियेगा।

चिंतन के बारे में

चिंतन एक पंजीकृत गैर–सरकारी संगठन है जो कूड़ा उठाने वालों और कॉलोनियों के निवासियों के साथ कॉलोनियों को साफ़ सुथरा बनाने और कूड़ा उठाने वाले बच्चों को काम की बजाये स्कूल में भेजने का काम करता है। यदि आप हमारे घर से कूड़ा उठाने वाले प्रोजेक्ट में कोई बच्चा देखें तो हमें तुरंत 011–41014171 पर सूचित करें। हम अपने प्रोजेक्ट में बच्चों को काम करने की अनुमति नहीं देते और न ही उनको प्रोत्साहित करते हैं।

अप्रैल से जून, 2013 तक के हमारे कार्य–निष्पादन

चिंतन ने फरवरी, 2013 में घर घर से कूड़ा उठाने का काम शुरू किया। शुरुआत में हमने जनवरी, 2013 में 1000 घरों से अपने काम की शुरुआत की लेकिन अब इन सेवाओं की उपलब्धि प्रत्येक घर के लिए है। अभी भी, बहुत से निवासी अपना कचरा नहीं देना चाहते हैं। हमने एक हेल्पलाइन भी जारी किया है, जो एक मात्र रास्ता है जिससे हम आपकी शिकायत या विचार पर जवाब दे सकते हैं। नीचे दी गई तालिका में किए गए कार्य को दिखाया गया है। आप देख सकते हैं, किशन कुंज – वार्ड 221 से बहुत से घरों से भागीदारी की जा रही हैं, और इसलिए, यह अधिक लाभ करने में सक्षम हैं। लेकिन उस्मानपुर (ब्रह्मपुरी) – वार्ड 254 तभी इसका फायदा उठा पाएगा जब ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें हिस्सा लेंगे। हम जल्द ही इसको लेकर जागरूकता अभियान चलाएँगे। यदि कोई इसमें अपना योगदान देना चाहता हो, तो कृपया हमें बताएँ!

	किशन कुंज–वार्ड 221	उस्मानपुर (ब्रह्मपुरी)–वार्ड 254
महीने में घरों के द्वारा भाग लेने की संख्या	12648	10500
कूड़ा उठाने वालों की संख्या	52	30
महीने में शुल्क देने वालों की संख्या	कोई नहीं	कोई नहीं
महीने में सहायता नंबर में शिकायतों की संख्या	2	2
अब तक शिकायतों की संख्या	1 शिकायत (हल कर दी गई)	7 शिकायतें (सभी हल कर दी गई)

चिंतन समाचार और गतिविधियाँ

"Efforts on to make stations garbage-free"
HT Correspondent, Hindustan Times New Delhi, April 22, 2013

"Ragpickers swear passengers to green oath"
Neha Lalchandani, TNN Apr 23, 2013, 05-05AM IST

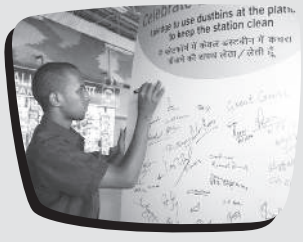

- चिंतन और सफाई सेना (कूड़ा पुनर्चक्रण करने वालों के पंजीकृत संगठन) ने 22 अप्रैल, 2013 को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 43वाँ पृथ्वी दिवस मनाया। कूड़ा उठाने वाले भाई बहनों ने नई दिल्ली स्टेशन पर अपने कार्य के बारे में यात्रियों को शिक्षित किया कि वे किस तरह कूड़े को कूड़ेदान में डालकर प्लेटफोर्म और पटरी को साफ रख सकते हैं, कूड़ा उठाने वालों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म 1 और 16 पर वचनबद्धता और बैनर स्थापित किए। दोनों प्लेटफार्म पर पुरूषों, महिलाओं और बच्चों का निरंतर आना–जाना लगा रहा, और उन्होंने खुशी से उन पर हस्ताक्षर किए।
- "Are we doing enough for the environment?"
  HT Correspondent, Hindustan Times New Delhi, June 05, 2013

चिंतन ने मंगल बाज़ार, भोपुरा, उत्तर प्रदेश में कूड़ा उठाने वाली औरतों के साथ एक हफ्ते की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला के प्रायोजक हिन्दुस्तान टीन वर्क प्राइवेट लिमिटेड था। इस कार्यशाला में, मेटल सक्रैप से उपयोग में आने वाली चीजें बनायीं गयीं। ये सारी चीजें 4–5 जून को पृथ्वी पर्यावरण दिवस के मौके पर स्लेक्ट सिटी वॉक में प्रदर्शित की गयीं। उसमें से कुछ चीजें बिकीं जिसका पैसा कूड़ा उठाने वाली औरतों को दे दिया गया।

अपने पर्यवेक्षक को जानें

ताजुद्दीन अंसारी – आपका पड़ोसी निरीक्षक!

ताजुद्दीन फील्ड ऑफ़िसर के रूप में चिंतन में कार्य करते है। जो वार्ड संख्या 221 घर घर से कूड़ा उठाने के काम का निरीक्षण करते हैं। उनका परिवार, पश्चिम बंगाल के हल्दिया जिले से है, जो 1976 में दिल्ली चले आये थे। 2005 में अपने पिता के निधन के बाद, ताजुद्दीन ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी थी और परिवार में माता, पत्नी और 3 छोटे बच्चों का पालन–पोषण के जिम्मेदार बन गए। उन्होंने दिल्ली की नथू कॉलोनी, शाहदरा से घर घर से कूड़ा उठाने का काम शुरू किया। वह चिंतन से भी जुड़े और उन्होंने उचित कूड़े के प्रबंधन के महत्व के बारे में सीखा।

आज, ताजुद्दीन चिंतन के द्वारा पूर्वी दिल्लीं नगर निगम वार्ड नंबर 221 में चल रहे स्केवंजर टू मैनेजर प्रोग्राम में सबसे मेहनती और वचनबद्ध कार्यकताओं में से एक हैं और 52 कूड़ा उठाने वालें सीधा उनको रिपोर्ट करते हैं। वह सुनिश्चित करते है कि कूड़ा रोज उठाया जा रहा हैं।

ताजुद्दीन अब गर्व से एक ऐसी नौकरी करते हैं जो उन्हें एक स्थिर आमदनी के साथ साथ काम करने का सुरक्षित मौहाल देता है और दिल्ली को और साफ और हरा भरा बनाने में सक्षम बनती है। ऊपर दिया गया ताजुद्दीन का फोटो देखिये और जब आप उसको अगली बार देखें तो हैलो बोलियें। अगर आप उनसे प्यार से पेश आते हो तो वह अपने काम में आनंद लेगे और आपकी कॉलोनी को और ज्यादा साफ बनायेगे।

कचरा सामान्य ज्ञान

"क्या आप जानते हैं कि अस्पताल का केवल 5 प्रतिशत कूड़ा खतरनाक है?"

चिंतन कचरा हेल्पलाइन

क्या आपको अपने दरवाजे से कूड़ा उठाने को लेकर कोई शिकायत है? क्या आज कूड़ा नहीं उठाया गया? क्या आपको अधिक जानकारी की आवश्यकता है? क्या आपके पास कोई सुझाव हैं?

यदि ऐसा है, तो चिंतन के हमारे हेल्पलाइन पर कॉल करने में हिचकिचाएं नहीं:

टेलीफोन नंबर: **011-41-01-41-71**

सोमवार से शुक्रवार: सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक
शनिवार: प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक
हेल्पलाइन और कूड़ा उठाने की सेवा रविवार और छुट्टी के दिनों में बंद है।

कूड़ा समाचारों में

कूड़े को फेंकना, दिल्ली

उच्च न्यायालय ने दिल्ली के कूड़े की समस्या को लेकर कदम उठाया
हिंदुस्तान टाइम्स, नई दिल्ली, 21 मई, 2013

दिल्ली: दिल्ली उच्च न्यायलय ने राजधानी के नागरिक प्राधिकारों को आपस में समन्वय करने के लिए कहा है और कूड़े को फेंकने के लिए शहर में जल्द ही नई जगह ढूंढने को कहा है, क्योंकि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डी० पी० सी० सी) पहले से ही मौजूद कूड़े के बड़े लैंडफिल में डालने पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव दे चुकी है।

अस्पतालों का कूड़ा, दिल्ली

"सर्वोच्च अस्पतालों ने कूड़े से निपटने के नियमों का उलंघन किया"
टी० एन० एन०, नई दिल्ली 23, मई, 2013

दिल्ली और एन० सी० आर० में अधिकांश अस्पताल बॉयोमैडिकल कूड़े को सँभालने वाले नियमों का पालन नहीं कर रहें हैं और इस प्रकार, वे मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए बहुत गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। और 33 अस्पतालों को एक नोटिस जारी कर दिया गया है

कूडे की छटाई, बंगलौर

Stinky affair: Bangalore's baby steps at waste segregation
news.oneindia.in June 6, 2013

बैंगलोर के होटल असोसिएशन समूह ने ग्रेटर बैंगलोर सिटी कॉर्पोरशन और निजी संस्था के उस कूड़े के वैज्ञानिक प्रबंधन कूड़ा प्रबंधन से सम्बधित समझौते पर हस्ताक्षर किया है जो ज्यादा कूड़ा पैदा करने वालों के द्वारा पैदा किया जाता है। गीले कूड़े को बायो गैस में परिवर्तित किये जाने के लिए एक प्लांट लगाने की बात की जा रही है ताकि इसको एल० पी० जी० में बदला जा सके। हालांकि ये एक छोटा कदम है, पर इसी छोटे कदम से एक बड़े कार्य को अंजाम दे सकते है।

हमारे साथ संपर्क में रहें

यदि आप हमें प्रतिपुष्टि देना चाहते हैं तो हमसे इस ई–मेल आई० डी० पर ई–मेल करें info@chintan-india-org और Facebook पर हमारे दोस्त बनें (https:www.facebook.com/ChintanGroup)। हम आपकी बात सुनना चाहेंगे।

CHINTAN
ENVIRONMENTAL RESEARCH
AND ACTION GROUP

238, सिद्धार्थ इन्कलेव, नई दिल्ली-110014
फोन : +91-11-46574171/72/73, फैक्स : +91-11-46574174
ई–मेल : info@chintan-india.org, वेबसाइट : www.chintan-india.org